International Journal of Advanced Research and Development
ISSN: 2455-4030
Impact Factor: RJIF 5.24
www.advancedjournal.com
Volume 3; Issue 2; March 2018; Page No. 623-625

बिट्कॉइन और भारत की सुरक्षा पर प्रभाव

कुलदीप वर्मा
शोध छात्र, रक्षा एवं स्ट्रेतेजिक अध्ययन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत।

सारांश
हवाला पारम्परिक बैंकिंग प्रणाली से बचने के समान्तर व्यवस्था में धन और सम्पत्ति के हस्तांतरण की एक प्रणाली है यह मनी लाण्ड्रिंग का एक आसान तरीका है लेकिन बिट्कॉइन जैसी क्रिप्टो करेंसी के अस्तित्व में आने के बाद हवाला का एक नया हाईटेक फार्म सामने आया है। भारत सरकार की अदूरदर्शी नीतियों के चलते ऐसे लेनदेन की बाढ़ आ गई है। बिट्कॉइन का उपयोग करने वाली खरीद प्रक्रिया इतनी सुरक्षित है कि सिस्टम को हैक करना अति मुश्किल है केवल धन का हस्तांतरण देखा जा सकता है लेकिन प्रेषक और प्राप्तकर्ता के बारे में कुछ भी पता नहीं किया जा सकता है।

मूल शब्द : बिट्कॉइन, क्रिप्टो करेंसी, ब्लॉकचेन, आरबीआई, मुद्रा, मनी लाण्ड्रिंग।

प्रस्तावना
बिट्कॉइन एक आभासी मुद्रा है जिसे वर्ष 2008 में सतोषी नाकामोतो नाम के एक गुमनाम ग्रुप ने पेश किया था। यह एक खुला पीअर–टू–पीअर क्रिप्टोग्राफिकल सिस्टम (मध्यस्थ के बिना सीधा सम्बन्ध), जहाँ लेनदेन ब्लॉकचेन नामक एक सार्वजनिक खाताधारक के माध्यम से होता है, उपयोगकर्ताओं के डेटा को गुप्त रूप से आठ साल संभालने के बाद बिट्कॉइन आज सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला डिजिटल मुद्रा है। क्रिप्टो करेंसी के बाजार में बिट्कॉइन की मांग सबसे ज्यादा होने के बावजूद अन्य क्रिप्टो करेंसी की मांग भी बनी हुई है जिनकी शुरूवात बिट्कॉइन की सफलता के बाद हुई है। नीचे कुछ प्रमुख क्रिप्टो करेंसी का विवरण मौजूद है–

1. एथेरियम–एथेरियम अभासी मुद्रा बाजार में दूसरा सबसे बड़ा नाम है यह बिट्कॉइन की कुल पूंजी का 1/3 है। यह बिट्कॉइन की अवधारणा के समान है। लेकिन इसकी कुछ अतिरिक्त विशेषतायें है। यह पूरी तरह से ब्लॉकचेन आधारित है इसमें ब्लॉकचेन डेटा को स्टोर करने के लिये नहीं बल्कि लेनदेन को विकेन्द्रीकृत तरीके से सुचारू रूप से चलाने के लिये प्रयोग किया जाता है।
2. लहर–रिपल नामक कम्पनी द्वारा निर्मित यह क्रिप्टो करेंसी भुगतान प्रोटोकाल प्रकृति पर निर्भर करती है। जो वास्तविक समय समाधान अवधारणा पर आधारित है। यह 2012 में शुरू की गई थी।
3. नेम–बिट्कॉइन के समान यह पीयर–टू–पीयर ब्लॉकचेन पर आधारित है यह एक विशिष्ट प्रकार के एल्गोरिथम का प्रयोग करता है जो एक मान्य वितरण प्रणाली पर आधारित है इसकी शुरूवात 2015 की गई थी।
4. लिट्कॉइन– इसकी शुरूवात 2011 में की गई थी लिट्कॉइन बिट्कॉइन की भाँति काम करता है। यह सीग्रेडेड गेटवे और लाइटविंग नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुये कार्य करता है।

बीबीक्यूकॉइन और डूडेकॉइन अन्य प्रकार की क्रिप्टो करेंसी है जो अपनी तकनीकी कमियों और बाजार में चलने की अपनी अक्षमता के कारण ज्यादा महत्व को हासिल नहीं कर सकी।

अधिकांश क्रिप्टो करेंसी ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी पर आधारित है सरल शब्दों में यह डेटा को स्थानांतरित करने और संग्रहीत करने की प्रणाली है जो एक क्रिप्टो करेंसी में लेनदेन करते हुये उत्पन्न होती है। एक अखबार के मुताबिक ब्लॉकचेन को एक Tamper evident ledger के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जहाँ Ledger के रिकार्ड का लेनदेन एक निश्चित नेटवर्क में ही होता है। खाताधारक के खाते में छेड़छाड़ का रिकार्ड प्राप्त करने के लिये हैश फंक्शन का प्रयोग किया जाता है।

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी क्रिप्टो मुद्राओं के लेनदेन में होने वाले जोखिम को कम करती है और उपयोगकर्ताओं के लिये किसी भी तरह की छेड़छाड़ से रोकता है। यह एन्क्रिप्टेड मुद्रा के लिये एक सहायक प्रणाली है जिसमें लेनदेन रिकार्ड किये जाते है।

चूंकि बिट्कॉइन लेनदेन में मूल्य निर्धारण मांग आधारित है इसलिये यह असाधारण रूप से अस्थिर है व्यापार के सामान्य नियमों के आधार पर देखे तो बाजार में वस्तुओं का मूल्य वस्तु की मांग पर निर्भर करता है। बिट्कॉइन की कीमत काफी हद तक इसी आधार पर निर्भर करती है। 2015 तक बिट्कॉइन की कीमत 300 US डालर के आसपास बनी हुई थी। अगले वर्ष जून 2016 के आसपास एक बिट्काइन की कीमत 300 US डालर के पार हो गई। मार्च 2017 के बाद कीमतें लगातार बढ़ रहीं है। इस तरह की प्रवृत्ति के बाद भारतीय क्रिप्टो मार्केट में बिट्कॉइन की कीमते लगातार बढ़ रही है। जो दिसम्बर 2017 तक आते–आते 20000 US डालर के आस–पास पहुँच गई इसके बाद वर्तमान में इसकी कीमत में कमी दर्ज की गई जो 6000 US डालर के आस पास बनी हुई है। संचालन के बाद से बिट्कॉइन की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में बिट्कॉइन की कुल संख्या 2 करोड़ के आस–पास है।

आमतौर पर एक बिट्काइन एक्सचेंज के व्यापार मंच होता है जो दूसरी मुद्रा के लिये बिट्कॉइन का आदान–प्रदान करता है। जिसमें उपयोगकर्ता व्यापार और लाभ कमाते है। 2011 के बाद बिटकॉइन एक्सचेंज बाजार में फैल गया क्योंकि अधिक से अधिक लोगों ने बिट्कॉइन का आदान–प्रदान शुरू कर दिया ज्यादातर सट्टा बाजार में इसका प्रयोग किया जाने लगा। किसी भी विनियामक हस्तक्षेप के बिना उच्च अस्थिरता और तैयार बाजार को देखते हुये लोग इसे व्यापार, निवेश और मुनाफे के लिये उपयुक्त समझते है।

भारत में बिट्काइॅन की स्थित

अन्य देशों के मुकाबले भारत में बिट्कॉइन की स्थित सकारात्मक देखी गई है। वैश्विक बाजारों में हाल की बृद्धि के अनुरूप भारत में बिट्कॉइन एक्सचेंज का परिचालन बहुत सफल रहा है। बिट्कॉइन, जेबपेय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसद्धि बिट्कॉइन एक्सचेंच है जिन्हें दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं के द्वारा उपयोग किया जाता है। इस एक्सचेंजों के दैनिक डाटा के अध्ययन के बाद समझ में आता है कि भारत में बिट्कॉइन का लेनदेन अत्यधिक दर से बढ़ रहा है। 2015 में लेनदेन की संख्या धीमी गति से बढ़ती हुई दिखती है किन्तु नोटबंदी के दौरान दो महीनों में इसके लेनदेनों में अभूतपूर्व बृद्धि देखने को मिलती हैं जिसके बाद इनकी संख्या निरन्तर बढ़ती जा रही है। नोटबंदी के दौरान बहुत बड़ी मात्रा में कालेधन का निवेश बिट्कॉइन में किया गया था।

भारत में बिट्काइन की कानूनी स्थित

भारत में बिट्कॉइन की कानूनी स्थित अभी भी बहुत ही अस्पष्ट है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में न तो अवैध घोषित किया है और न ही मुद्रा के रूप में बिट्कॉइन को स्वीकार कर लिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने केवल उन जोखिमों के बारे में चेतावनी दी जो बिट्कॉइन जैसी आभासी मुद्राओं से जुड़े हुये है।

मुद्रा को आमतौर पर एक देश में धन के रूप में उपयोग किये जाने वाले टोकन के रूप में परिभाषित किया जाता है। धातु के सिक्कों और पेपर नोट्स, मनीआर्डर, ट्रैवलर्स चेक के अलावा इसमें इलेक्ट्रानिक पैसा या डिजिटल नकद भी शामिल है। उपरोक्त परिभाषा में बिट्कॉइन किसी भी उदाहरण में फिट नहीं है हालांकि इलेक्ट्रानिक धन या डिजिटल नकद में इसको शामिल किया जा सकता है लेकिन फिर इसे किसी अधिकृत ईकाई से कानूनी समर्थन की आवश्यकता होगी जो कि भारत में इसको नहीं दी गई है। हालांकि रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया चाहता तो निश्चित रूप से उपर्युक्त परिभाषा में शामिल होने की घोषणा कर सकता है।

बिट्कॉइन का स्वयं कोई आंतरिक मूल्य नहीं है इसलिये तकनीकि रूप से इसे गलत माना जायेगा। बिट्कॉइन का 'भुगतान के माध्यम' को छोड़कर किसी अन्य प्रकार से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता उसे मुद्रा के क्षेत्र में आने की जरूरत है अन्यथा माल अथवा सेवाओं की आपूर्ति के सम्बन्ध में कर प्रभाव पैदा होगा। विशेष रूप से आरबीआई द्वारा घोषित होने तक बिट्कॉइन पैसा नहीं होगा यद्यपि कई देशों ने बिट्कॉइन को पैसा घोषित किया है और कई देशों ने इसे कर प्रभाव से बचाने के लिये करों से छूट दी है।

बिट्कॉइन और मनी लाण्ड्रिंग

हवाला पारम्परिक बैंकिंग प्रणाली से बचने के समान्तर व्यवस्था में धन और सम्पत्ति के हस्तांतरण की एक प्रणाली है यह मनी लाण्ड्रिंग का एक आसान तरीका है लेकिन बिट्कॉइन जैसी क्रिप्टो करेंसी के अस्तित्व में आने के बाद हवाला का एक नया हाईटेक फार्म सामने आया है। भारत सरकार की अदूरदर्शी नीतियों के चलते ऐसे लेनदेन की बाढ़ आ गई है। बिट्कॉइन का उपयोग करने वाली खरीद प्रक्रिया इतनी सुरक्षित है कि सिस्टम को हैक करना अति मुश्किल है केवल धन का हस्तांतरण देखा जा सकता है लेकिन प्रेषक और प्राप्तकर्ता के बारे में कुछ भी पता नहीं किया जा सकता है। अमेरिकी ट्रेजरी के मुताबिक बिट्कॉइन एक विकेन्द्रीकृत आभासी मुद्रा है कुछ एक्सचेंज है जो मुख्यतः चीन हांगकांग और रूस में स्थित है। 2015 में पेरिस आंतकवादी हमलों के लिये पैसों की आपूर्ति बिट्कॉइन के माध्यम से की गई थी। यूरोपीय संघ बिट्कॉइन को नियंत्रण में लाने के लिये उत्सुक है। पेरिस अंतर सरकारी कार्य बल 2015 रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आतंकवादी वेबसाइटों ने सहानुभूति रखने वालों को बिट्कॉइन में दान करने को प्रोत्साहित किया जाता है। अमेरिकी आतंकवाद विरोधी संस्था इस बात से चिंतित है कि कैसे इस्लाममिक स्टेट बिट्कॉइन के माध्यम से करोड़ों डालर जमा कर रहा है। न्यूयार्क सरकार ने पहले ही बिट्कॉइन पर विधेयक ला चुकी है। कनाडा और आस्ट्रेलिया जैसे देशों ने एंटी मनीलाण्ड्रिंग और आतंकवाद विरोधी काननूों के दायरे में बिट्कॉइन को लाया है।

आतंकवाद वित्तपोषण पर नियंत्रण भारत सरकार की आतंकवाद से लड़ने के लिये एक प्रमुख पहल थी। अगर भारत बिट्कॉइन को विनियमित करने में विफल रहता है तो यह नया हवाला आतंकवाद को वित्तपोषित करने का आसान तरीका हो सकता है। सरकार को अर्थव्यवस्था के हित में और देश की सुरक्षा में बिट्कॉइन पर उचित नियंत्रण होना चाहिये।

निष्कर्ष

आरबीआई ने अपने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से 24 दिसम्बर 2013 को बिट्कॉइन के नकारात्मक विशेषताओं और इसके उपयोग के बारे में चेतावनी जारी की थी और यह विशेष रूप से बताया गया था कि यह डिजिटल रूप से जमा किये जाते है जिससे हैकिग, रैनसमवियर आदि का खतरा बना रहता है। आज तक किसी केन्द्रीय एजेंसी द्वारा बिट्कॉइन का समर्थन या विनियमित नहीं किया गया है जिससे उसकी विश्वनियता पर संकट हमेशा बना हुआ है। कोई फोरम नहीं है जहाँ कोई उपयोगकर्ता मदद प्राप्त कर सके या शिकायत कर सके। जिसके परिणामस्वरूप भारतीय उपभोक्ताओं को ट्रांसेक्शनल और सूचनात्मक जोखिमों का सामना करना पड़ता है। बिट्कॉइन के बहुत महत्वपूर्ण गुणों में से एक इसकी अस्थिरता है तेजी से बदलाव, हर दूसरे से उम्मीद की जाने की प्रवृत्ति है जिससे निवेशकों को शून्य मूल्य वाले जोखिमों का सामना करना पड़ता है।

कई घटनायें बताती हे कि दुनिया भर में अवैध गतिविधियों के लिये बिट्कॉइन का इस्तेमाल किया गया है कथित तौर पर हाल ही में हुये रैनसम वेयर हमलों में बिट्कॉइन की डिमाण्ड की गई। इण्टरनेट पर कई नशे बेचने वाली बेबसाइटों से ड्रग्स बिट्कॉइन द्वारा ही खरीदा जा सकता है। यह ड्रग्स बेचने का बहुत ही आसान तरीका है और इसकी व्यापकता बहुत ही भयावाह है। यह सर्वविदित है कि ड्रग्स का अधिकतम पैसा आतंकवाद को पोषित करने में होता है।

बिट्कॉइन का उपयोग पोंजी योजनाओं में भी किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप कई निवेशको को बहुत नुकसान उठाना पड़ा है। बिट्कॉइन की नियामक स्थित पर आरबीआई की चुप्पी हानिकारक साबित हो सकती है। भारत में बिट्कॉइन एक उद्योग के रूप में स्थापित हो रहा है। बिट्कॉइन ने दुनिया भर में व्यापाक स्वीकृति प्राप्त कर ली है। इसलिये उन पर प्रतिबन्ध लगाने के अलावा दूसरे विकल्पों पर ही विचार करना होगा और इस उद्योग को विनियमित करने की आवश्यकता होगी यह जितनी जल्दी होगा उतना ही अच्छा होगा।

सन्दर्भ

1. Blockchain: Blueprint for a New Economy, Melanie Swan, O'Reilly Media New York, 2015.
2. Mastering Bitcoin, Andreas M. Antonopoulos, O'Reilly Media, New York, 2014
3. Bitcoin: The Future of Money, Dominic Fris, Random House, 2014.

4. Bitcoin India Report Vallari Dubey & Team Vinod Kothari Consultant, Delhi, 2017.
5. http://finmin.nic.in/law/Benami%20Transaction_Prohibition_%20Act1988.pdf
6. https://indiankanoon.org/doc/651105/
7. https://rbidocs.rbi.org.in/rdocs/Publications/PDFs/RBIAM_230609.pdf
8. https://rbidocs.rbi.org.in/rdocs/PressRelease/PDFs/IEPR1261VC1213.PDF
9. https://techcrunch.com/2018/02/03/psa-no-india-hasnt-banned-bitcoin-but-its-still-talking-tough-on-crypto/
10. http://indianexpress.com/article/delhi/bitcoin-bust-delhi-police-arrest-man-5077080/
11. http://www.firstpost.com/tech/news-analysis/indian-govt-focussed-on-deciding-clear-regulation-on-the-trading-of-cryptocurrencies-like-bitcoin-report-4333573.html